PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A. BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (09.09.2024)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR,
DATE:09.09.2024, PAGE-04

दो विषयों में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की हुई नियुक्ति

बीआरएबीयू

मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय में जल्द ही शिक्षकों की कमी दूर होगी। खासकर मनोविज्ञान व दर्शन शास्त्र विभाग को इसका फायदा होगा। दोनों विभागों में विश्वविद्यालय ने 110 सहायक प्राध्यापकों को योगदान देने के संबंध में नोटिफिकेशन रविवार को जारी कर दिया।

विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. अपराजिता कृष्ण ने सभी अभ्यर्थियों को पत्र भेजकर 21 दिन के भीतर योगदान देने के लिए कहा है। साथ ही निर्धारित तिथि तक योगदान नहीं देने वाले अभ्यर्थियों के दावे को खारिज कर दिया जाएगा। बाद में उनके द्वारा इस संबंध में किसी भी तरह की वार्ता नहीं की जाएगी। रजिस्ट्रार ने बताया कि सभी अभ्यर्थियो को पत्र भेज दिया गया है। साथ ही उनको पदस्थापित किए जानेवाले कॉलेजों की सूची भी जारी कर दी गई है।

रजिस्ट्रार ने बताया कि इनकी नियुक्ति बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा पर की गई है। आयोग ने इनके नामों की अनुशंसा इस साल 31 मई को करते हुए विश्वविद्यालय को सूची भेजी थी। इसके बाद सभी के दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया पूरी की गई। उसके बाद नियुक्ति करते हुए कॉलेजों को आवंटित किया गया था। इसके पहले इनको नियुक्त करने के लिए पटना उच्च न्यायालय ने कई रिट याचिकाओं की सुनवाई करने के बाद आदेश दिया था।

21 दिन के भीतर सभी को योगदान देने का दिया गया निर्देश

- मनोविज्ञान में 83 तो दर्शन शास्त्र में 27 सहायक प्राध्यापक बहाल
- पटना उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार हुई है सभी की नियुक्ति

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 09.09.2024, PAGE-04

बीआरएबीयू में 112 सहायक प्राध्यापकों की पोस्टिंग

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू ने विश्वविद्यालय सेवा आयोग से नियुक्त 112 सहायक प्राध्यापकों को कॉलेज आवंटित कर दिया है. रविवार को कुलसचिव प्रो अपराजिता कृष्णा ने अधिसूचना जारी की. मनोविज्ञान में सर्वाधिक 83 व दर्शनशास्त्र में 27 व बांग्ला में दो समेत कुल 112 सहायक प्राध्यापकों की पोस्टिंग की गयी है.

इन्हें कहा गया है कि 21 दिनों के भीतर वे संबंधित कॉलेज में योगदान दें. निर्धारित अवधि में योगदान नहीं देने पर उनकी नियुक्ति रद्द की जाएगी. विवि के बांग्ला विभाग में दो सहायक प्राध्यापकों की पोस्टिंग की गयी है. दर्शनशास्त्र में 27 शिक्षकों को विभिन्न कॉलेजों में भेजा गया है.

एलएस कॉलेज, एमडीडीएम कॉलेज, एमएसकेबी कॉलेज, लोदिया कॉलेज, एमपीएस साइंस कॉलेज, नीतीश्वर महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति की गयी है. पीजी विभागों में शिक्षकों के पद रिक्त नहीं होने के कारण नये शिक्षकों को कॉलेजों में योगदान देने को कहा गया है. मनोविज्ञान में मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण के कॉलेज आवंटित किया गया है. बता दें कि बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से इन सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गयी थी. विवि में काउंसलिंग की प्रक्रिया होने के बाद इन्हें कॉलेज आवंटित कर दिया गया है.

- विश्वविद्यालय सेवा आयोग से इन प्राध्यापकों की हुई है नियुक्ति, 21 दिनों में करना है योगदान
- मनोविज्ञान में सर्वाधिक 83, दर्शनशास्त्र में 27 व बांग्ला में दो सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति

शिक्षकों की कमी से हो रही परेशानी : अधिकतर अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं. इस कारण स्टूडेंट्स को परेशानी हो रही है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानक के अनुसार शिक्षक-छात्र अनुपात का भी अनुपालन नहीं हो पा रहा है. ऐसे में सेवा आयोग से नियुक्त प्राध्यापकों को कॉलेज आवंटित किया गया है. विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया कि आयोग की ओर से अन्य विषयों में भी शीघ्र सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की जानी है.

इस खबर को वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें.

विवि के गृहविज्ञान विभाग में प्रदर्शनी आज

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के पीजी गृहविज्ञान विभाग में सोमवार को आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी आयोजित होगी. इसको लेकर विभागाध्यक्ष प्रो कुसुम ने बताया कि विभाग की छात्राओं ने ही इन प्रदर्श और कलाकृतियों को तैयार किया है. पीडीलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं को वर्कशॉप के माध्यम से जानकारी दी गयी. इसके बाद छात्राओं ने प्रशिक्षण में मिली जानकारी से विभिन्न कलाकृतियों का निर्माण किया.

PRABHAT KHATAR, MUZAFFARPUR, DATE:09.09.2024, PAGE-04

अबतक 36,157 छात्राओं को मिल चुका है उत्थान योजना का लाभ

12 हजार छात्राओं के खाते में शीघ्र भेजी जायेगी योजना की रकम

कन्या उत्थान योजना

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के विभिन्न कॉलेजों से स्नातक उत्तीर्ण करने वाली 12 हजार से अधिक छात्राओं के खाते में कन्या उत्थान योजना के तहत मिलने वाली राशि शीघ्र भेजी जाएगी. निदेशालय स्तर से उनके एकाउंट का सत्यापन होने के बाद भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है.

इसमें 3488 छात्राओं को 25 हजार व 8546 छात्राओं के खाते में 50 हजार रुपये भेजे जाएंगे. भुगतान होने के साथ ही आवेदन के स्टेटस में भी इसे अपडेट कर दिया जाएगा. सरकार ने अप्रैल 2021 तक स्नातक उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को 25 हजार और इसके बाद स्नातक उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को योजना से 50 हजार रुपये देने का प्रावधान किया है.

3,488 छात्राओं को 25 व 8,546 छात्राओं के खाते में 50 हजार रुपये मिलेंगे

अंगीभूत व संबद्ध डिग्री कॉलेजों में स्वीकृत सीटों पर नामांकन लेने और उत्तीर्ण होने वाली छात्राओं को यह लाभ दिया जा रहा है.

विवि स्तर पर सत्यापन के बाद निदेशालय भी बैंक खाता समेत अन्य बिंदुओं पर जांच करता है. इसके बाद भुगतान की प्रक्रिया की जाती है. बता दें कि अबतक इस योजना के तहत विवि की 36,157 छात्राओं को लाभ मिला है. इसमें छात्राओं के खाते में अबतक कुल 90 करोड़ 39 लाख 25 हजार रुपये भेजे गये हैं. पेमेंट प्रोसेस होने के बाद विवि की छात्राओं के खाते में कुल 51 करोड़ से अधिक राशि हस्तांतरित की जाएगी.

वेबसाइट पर इस खबर को पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें.

13 हजार छात्राओं के आवेदन में गड़बड़ी या रुचि नहीं

बीआरएबीयू के विभिन्न कॉलेजों से 50 हजार की योजना लागू होने के बाद से 35 हजार 200 छात्राओं ने स्नातक उत्तीर्ण किया. इसमें से पोर्टल पर 22,257 छात्राओं ने ही रजिस्ट्रेशन कराया है. शेष छात्राओं ने या तो योजना में रुचि नहीं दिखायी या उनके पिता के नाम या अन्य विवरण में गड़बड़ी मिली. निर्धारित अवधि में उन्होंने आवेदन नहीं किया. फिलहाल कन्या उत्थान योजना का पोर्टल बंद है. पोर्टल खुलने के बाद ये छात्राएं भी आवेदन कर सकेंगी.

2023 के लिए घोषणा के बाद भी नहीं खुला पोर्टल

2020-23 सत्र में उत्तीर्ण हुई छात्राओं को योजना का लाभ दिलाने को लेकर सरकार की ओर से पिछले ही महीने पोर्टल खोले जाने की घोषणा की गयी थी, लेकिन अबतक पोर्टल नहीं खोला गया है. विभिन्न कॉलेजों की ओर से विवि को छात्राओं की सूची भेजी गयी है. पोर्टल खुलने के बाद इसे अपडेट किया जाएगा. इसके बाद सत्यापन होगा.

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 09.09.2024, PAGE-04

12 हजार को मिलेगी कन्या उत्थान की राशि

निदेशालय के स्तर से राज्य के 54,864 छात्राओं के आवेदनों का सत्यापन पूरा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक उत्तीर्ण करीब 12 हजार छात्राओं को कन्या उत्थान की राशि मिलने का रास्ता साफ हो गया है। योजना के लिए आनलाइन आवेदन करने वाली छात्राओं का सत्यापन कार्य पूरा हो गया है। इस आधार पर दो कैटेगरी में छात्राओं को योजना की राशि मिलेगी। अप्रैल 2021 तक स्नातक उत्तीर्ण करीब 3488 छात्राओं को 25 हजार और इसके बाद स्नातक उत्तीर्ण 8546 छात्राओं के खाते में 50 हजार की राशि भेजी जाएगी। शिक्षा विभाग की ओर से बीआरए बिहार विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालय को निर्देश जारी किया गया है। कहा गया है कि आनलाइन आवेदन के सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही खाते में राशि का हस्तांतरण होगा। राज्य में करीब 54,864 छात्राओं के आनलाइन आवेदन के सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। 16,490 छात्राओं के सत्यापन का कार्य प्रक्रियाधीन है। भुगतान की प्रक्रिया में करीब 51

- अप्रैल 2021 तक उत्तीर्ण 3488 छात्राओं को मिलेंगे 25 हजार
- इसके बाद पास 8546 छात्राओं को भेजी जाएगी 50 हजार की राशि

करोड़ की राशि छात्राओं के खाते में आएगी। विश्वविद्यालय को निर्देश जारी किया गया है कि किसी कारणवश अब तक स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं का आवेदन शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सका है तो एक सप्ताह के भीतर उसे अपलोड किया जाए। विश्वविद्यालय स्तर से 2021 के बाद स्नातक उत्तीर्ण 10 हजार छात्राओं का और 2021 तक स्नातक उत्तीर्ण चार हजार छात्राओं के आवेदनों का सत्यापन विश्वविद्यालय के स्तर से हो चुका है। अब इस आधार पर निदेशालय के स्तर से आवेदनों की जांच और सत्यापन के बाद भुगतान की प्रक्रिया पूरी होगी। अबतक विश्वविद्यालय की 36 हजार 157 छात्राओं को योजना का लाभ मिला है। छात्राओं के खाते में अब तक 90 करोड़ 39 लाख 25 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

सेकेंड सेमेस्टर के 1.20 लाख विद्यार्थियों की कापियों की जांच इसी सप्ताह से

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कोर्स के सेकेंड सेमेस्टर की करीब छह लाख से अधिक कापियों का मूल्यांकन इसी सप्ताह शुरू होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय की ओर से मूल्यांकन से संबंधित तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। मूल्यांकन केंद्र का निर्धारण भी किया जा चुका है। साथ ही विश्वविद्यालय ने पहली बार परीक्षकों की सूची जारी की है। साथ ही इसमें किसी परीक्षक का नाम छूटने पर कार्यालय में आवेदन देने की सुविधा प्रदान की गई है। परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने बताया कि स्नातक सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा संपन्न होने के बाद अब कापियों का मूल्यांकन होगा। इसके लिए सोमवार को परीक्षा विभाग में बैठक और अब तक हुई तैयारियों की समीक्षा के बाद तिथि की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इसी सप्ताह से कापियों का मूल्यांकन शुरू किया जा सकता है। पिछले महीने स्नातक सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षाएं समाप्त हुई थीं। अब इन कापियों के मूल्यांकन के बाद रिजल्ट जारी करना है। बताया जा रहा है कि अगर इस सप्ताह कापियों का मूल्यांकन शुरू हो जाता है तो अगले महीने तक स्नातक सेकेंड सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया जा सकता है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 09.09.2024, PAGE-04

तीन विषयों के 112 सहायक प्राध्यापकों की कालेजों में पोस्टिंग

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : लंबे इंतजार के बाद बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में तीन विषयों के 112 सहायक प्राध्यापकों की पोस्टिंग कर दी गई। विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय को बांग्ला में दो, दर्शनशास्त्र में 27 और मनोविज्ञान में सबसे अधिक 83 सहायक प्राध्यापक मिले हैं। अब शिक्षकों की कालेजों में पोस्टिंग की गई है। विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि अधिसूचना जारी होने के 21 दिनों के भीतर उन्हें संबंधित कालेज या आवंटित संस्थान में योगदान देना है। ऐसा नहीं करने पर उनकी नियुक्ति को रद कर दिया जाएगा। बांग्ला के दो सहायक प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय के पीजी विभाग में भेजा गया है।

मनोविज्ञान में सबसे अधिक 83 दर्शनशास्त्र में 27 और बांग्ला में आए दो नए शिक्षक, कालेजों में पठन-पाठन सुधरने की उम्मीद

वहीं दर्शनशास्त्र के 27 शिक्षकों को विश्वविद्यालय के 27 कालेजों में पोस्टिंग की गई है। इसमें शहर के एलएस कालेज, एमडीडीएम कालेज, लोहिया कालेज, एलएसकेबी, लोहिया कालेज, एमपीएस साइंस कालेज, नीतीश्वर महाविद्यालय शामिल हैं। दूसरी ओर मनोविज्ञान के सभी शिक्षकों की कालेजों में पोस्टिंग की गई है। बताया जा रहा है कि पीजी विभाग में सीट खाली नहीं होने के कारण नए शिक्षकों को कालेजों में पोस्टिंग की गई है। मनोविज्ञान में मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण समेत अन्य जिलों के कालेजों में सीटों की उपलब्धता के अनुसार सहायक प्राध्यापकों को भेजा गया है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा पर भेजी गई सूची के आधार पर विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया हुई। विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस में अलग-अलग विषयों के लिए काउंसलिंग हुई। इसके बाद अभ्यर्थी पोस्टिंग का इंतजार कर रहे थे। कई बार विश्वविद्यालय पहुंचकर अभ्यर्थियों ने इसकी जानकारी भी ली है। अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय में इन तीन विषयों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। शिक्षकों के संस्थान में योगदान देने के बाद नए सत्र में नामांकित छात्र-छात्राओं को काफी फायदा होगा। कई कालेजों में इन विषयों के एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं थे। इसकी शिकायत कई बार प्राचार्यों ने विश्वविद्यालय से की थी। चार वर्षीय स्नातक कोर्स से लेकर पीजी की पढ़ाई के लिए भी विद्यार्थियों को अधिक परेशानी नहीं होगी।

केआरपी के लिए मुखर्जी सेमिनरी में आज से काउंसलिंग

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना अंतर्गत केआरपी (मुख्य स्रोत व्यक्ति) के रिक्त पदों पर चयन को लेकर सोमवार से अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन होगा। मुखर्जी सेमिनरी में 11 बजे से शाम चार बजे तक सत्यापन होगा।

छह पदों के लिए 1059 आवेदन : केआरपी के छह पदों के लिए 1059 अभ्यर्थियों ने आनलाइन आवेदन किया था। आनलाइन आवेदन के समय मुजफ्फरपुर जिले में रिक्त पदों की संख्या 16 थी, लेकिन जिले में छह पद ही खाली हैं। छह पदों के लिए 1059 आवेदन हैं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी साक्षरता संजय कुमार ने बताया कि राज्य स्तर से औपबंधिक सूची भेजी गई है। जिसके आधार पर अभ्यर्थियों के कागजातों का सत्यापन किया जाएगा। मुखर्जी सेमिनरी में नौ से 20 सितंबर तक कागजात का सत्यापन होगा। इसके लिए चार काउंटर बनाए गए हैं। प्रतिदिन 110 अभ्यर्थियों के कागजातों का सत्यापन किया जाएगा।

मूल कागजात के साथ उपस्थित होंगे अभ्यर्थी : मूल कागजात व छाया प्रति के साथ अभ्यर्थी को उपस्थित होना है। आवेदन पत्र, सभी शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र, अंक पत्र की मूल व छाया प्रति लेकर आना है। औपबंधिक सूची क्रम संख्या के अनुसार प्रमाण पत्रों का सत्यापन होगा।